कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602 AISHE Code : C-21647

दुर्ग, दिनांक : 16/10/2025

// प्रतिवेदन//

गर्ल्स कॉलेज में पिंक अक्टूबर कार्यक्रम का आयोजन

शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में रेडक्रॉस विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में पिंक अक्टूबर कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया।

पिंक अक्टूबर को विश्व स्तर पर स्तन कैंसर जागरूकता माह के रूप में मान्यता प्राप्त है तथा इसके साथ गुलाबी रंग के स्पष्ट जुड़ाव के कारण इसे व्यापक रूप से ''गुलाबी माह'' भी कहा जाता है। गुलाबी रिबन जो इसकी वकालत और समर्थन का एक शक्तिशाली प्रतीक बना गया है। इस बीमारी से प्रभावित लाखों लोगों के लिए एक जुटता, लचीलापन और आशा का प्रत्यक्ष संकेत है।

यह एक वैश्विक अभियान है जो हर साल अक्टूबर में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाना, शीघ्र पहचान को बढ़ावा देना और इसके लिए अनुसंधान हेतु धन जुटाना है। इस महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर कन्या महाविद्यालय में पिंक अक्टूबर पर यूथ रेडक्रॉस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के अनुसार अक्टूबर कैलेण्डर का एक महिना भर नहीं बल्कि गुलाबी रंग की लहर से चिन्हित एक वैश्विक आंदोलन है जो कि दुनियाभर में लाखों लोगों को एकजुट करता है। जो एक ऐसी बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाता है जो हर साल 23 लाख से ज्यादा महिलाओं को प्रभावित करती है।

यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि कैंसर कोशिकाओं में होने वाले जीन उत्परिवर्तन के कारण से यह होता है, जो आनुवांशिक या पर्यावरणीय कारकों से हो सकता है। इसके प्रमुख कारणों में धुम्रपान, तंबाकू का सेवन, मदिरा सेवन अस्वास्थ्यकर आहार, मोटापा, सूर्य से निकलने वाली पैराबैंगनी (यूवी) विकिरण, कुछ वायरस एवं कुछ रासायनिक कार्सिनोजेन्स (जैसे एस्बेस्टस एवं वायु प्रदूषण) के सम्पर्क में आना शामिल है। पारिवारिक इतिहास भी कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-1 की प्रभारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने चेताया कि कैंसर से बचने के लिए धुम्रपान और तम्बाकू से दूर रहें, स्वस्थ वजन बनाये रखें, नियमित व्यायाम करें और संतुलित आहार लें जिसमें फल, सब्जियाँ और साबूत अनाज शामिल हों। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-2 की प्रभारी डॉ. सुषमा यादव ने कैंसर के चरण पता करने के लिए होने वाले विभिन्न परीक्षणों की जानकारी दी। डॉ. मोनिया राकेश सिंह, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र ने महिलाओं के कैंसर के सामान्य लक्षणों की जानकारी दी। डॉ. चाँदनी अफसाना, सहा.प्रा. वनस्पतिशास्त्र ने कैंसर के सामान्य शुरूआती संकेतों जैसे असमान्य गांठ या सूजन, अस्पष्टीकृत वजन घटना, असामान्य रक्तस्त्राव आदि का लगातार बने रहने को नजरअंदाज न कर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करने की सलाह दी।

इस अवसर पर डॉ. वैभवशंकर सोनी, डॉ. खेमराज चन्द्राकर, श्री दीपक ठाकुर, डॉ. दीपक कश्यप, डॉ. तोशिना तेलंग, डॉ. सीमा कलरा, डॉ. अनामिका वस्त्रकार आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ज्योति भरणे एवं धन्यवाद ज्ञापन कु. तबस्सुम ने किया तथा छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

टीप :- छात्राहित में प्रकाशन हेतु निवेदित।

प्राचार्य
शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)